# उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज

पाठ्यक्रम (SYLLABUS)

## संस्कृत
## (सहायक आचार्य–उच्च शिक्षा)
## (विषय कोड–16)

### इकाई-I

**वैदिक-साहित्य**

**(क) वैदिक-साहित्य का सामान्य परिचय :**

- वेदों का काल : मैक्समूलर, ए.वेबर, जैकोबी, बालगंगाधर तिलक, एम. विण्टरनित्ज, भारतीय परम्परागत विचार
- संहिता-साहित्य
- संवाद-सूक्त : पुरुरवा-उर्वशी, यम-यमी, सरमा-पणि, विश्वामित्र- नदी
- ब्राह्मण-साहित्य
- आरण्यक-साहित्य
- वेदांग- साहित्य : शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरुक्त, छन्द, ज्योतिष ।

### इकाई-II

**(ख) वैदिक साहित्य का विशिष्ट अध्ययन :**

**1. निम्नलिखित सूक्तों का अध्ययन :**

- ऋग्वेदः - अग्नि (1.1), वरुण (1.25), सूर्य (1.125), इन्द्र (2.12), उषस् (3.61), पर्जन्य (5.83), अक्ष (10.34), ज्ञान (10.71), पुरुष (10.90), हिरण्यगर्भ (10.121), वाक् (10.125), नासदीय (10.129)
- शुक्लयजुर्वेदः - शिवसंकल्प, अध्याय - 34 (1-6),
  प्रजापति, अध्याय - 23 (1-5)
- अथर्ववेदः - राष्ट्राभिवर्धनम् (1.29), काल (10.53), पृथिवी (12.1)

**2. ब्राह्मण-साहित्य :** प्रतिपाद्य विषय, विधि एवं उसके प्रकार, अग्निहोत्र, अग्निष्टोम, दर्शपूर्णमास यज्ञ, पंचमहायज्ञ, आख्यान (शुन:शेप, वाङ्मनस्)।

**3. उपनिषद्-साहित्य :** निम्नलिखित उपनिषदों की विषयवस्तु तथा प्रमुख अवधारणाओं का अध्ययन : ईश, कठ, केन, बृहदारण्यक, तैत्तिरीय, श्वेताश्वतर ।

**4. वैदिक व्याकरण, निरुक्त एवं वैदिक व्याख्या पद्धति :**

- ऋक्प्रातिशाख्य : निम्नलिखित परिभाषाएँ -
  समानाक्षर, सन्ध्यक्षर, अघोष, सोष्म, स्वरभक्ति, यम, रक्त, संयोग, प्रगृह्य, रिफित।
- निरुक्त (अध्याय 1 तथा 2)
  चार पद - नाम विचार, आख्यात विचार, उपसर्गों का अर्थ, निपात की कोटियाँ,
- निरुक्त अध्ययन के प्रयोजन
- निर्वचन के सिद्धान्त
- निम्नलिखित शब्दों का निर्वचन -

आचार्य, वीर, ह्रद, गो, समुद्र, वृत्र, आदित्य, उषस्, मेघ, वाक्, उदक, नदी, अश्व, अग्नि, जातवेदस्, वैश्वानर, निघण्टु।

- वैदिक स्वर : उदात्त, अनुदात्त तथा स्वरित।
- वैदिक व्याख्या पद्धति : प्राचीन एवं अर्वाचीन

## इकाई-III

**दर्शन-साहित्य**

**(क) प्रमुख भारतीय दर्शनों का सामान्य परिचय :**

प्रमाणमीमांसा, तत्वमीमांसा, आचारमीमांसा (चार्वाक, जैन, बौद्ध, सांख्य, योग, न्याय-वैशेषिक, मीमांसा के संदर्भ।

## इकाई-IV

**(ख) दर्शन-साहित्य का विशिष्ट अध्ययन :**

- ईश्वरकृष्ण- सांख्यकारिका - सत्कार्यवाद, पुरुषस्वरूप, प्रकृतिस्वरूप, सृष्टिक्रम, प्रत्ययसर्ग, कैवल्य।
- सदानन्द- वेदान्तसार- अनुबन्ध-चतुष्ट्य, अज्ञान, अध्यारोप-अपवाद, लिंगशरीरोत्पात्ति, पंचीकरण, विवर्त, महावाक्य, जीवन्मुक्ति।
- अन्नंभट्ट; तर्कसंग्रह/केशव मिश्र; तर्कभाषा- पदार्थ, कारण, प्रमाण (प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान, शब्द), प्रमेय।

1. लौगाक्षिभास्कर; अर्थसंग्रह
2. पतंजलि; योगसूत्र, - (व्यासभाष्य) : चित्तभूमि, चितवृतियाँ, ईश्वर का स्वरूप, योगाङ्ग, समाधि, कैवल्य।
3. बादरायण; ब्रह्मसूत्र 1.1 (शांकरभाष्य)
4. विश्वनाथपंचानन; न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (अनुमानखण्ड)
5. सर्वदर्शनसंग्रह; जैनमत, बौद्धमत

## इकाई-V

**व्याकरण एवं भाषा विज्ञान**

**(क) सामान्य-परिचय : निम्नलिखित आचार्यों का परिचय –**

- पाणिनि, कात्यायन, पतंजलि, भर्तृहरि, वामनजयादित्य, भट्टोजिदीक्षित, नागेशभट्ट, जैनेन्द्र, कैय्यट, शाकटायन, हेमचन्द्रसूरि, सारस्वतव्याकरणकार।

**भाषाविज्ञान :**

भाषा की परिभाषा, भाषा का वर्गीकरण (आकृतिमूलक एवं पारिवारिक), ध्वनियों का वर्गीकरण : स्पर्श, संघर्षी, अर्धस्वर, स्वर (संस्कृत ध्वनियों के विशेष संदर्भ में), ध्वनि परिवर्तन के कारण, ध्वनि-नियम (ग्रिम, ग्रासमान, वर्नर) अर्थ-परिवर्तन की दिशाएँ एवं कारण, वाक्य का लक्षण व भेद, भारोपीय परिवार का सामान्य परिचय, वैदिक संस्कृत एवं लौकिक संस्कृत में अन्तर, भाषा तथा वाक् में अन्तर, भाषा तथा बोली में अन्तर।

## इकाई-VI

**(ख) व्याकरण का विशिष्ट अध्ययन :**

- परिभाषाएँ - संहिता, संयोग, गुण, वृद्धि, प्रातिपदिक, नदी, घि, उपधा, अपृक्त, गति, पद, विभाषा, सवर्ण, टि, प्रगृह्य, सर्वनामस्थान, भ, सर्वनाम, निष्ठा।

- सन्धि - अच् सन्धि, हल् सन्धि, विसर्ग सन्धि (लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार)
- सुबन्त - अजन्त - राम, सर्व (तीनों लिंगों में), विश्वपा, हरि, सखि, गुरु, पितृ, गौ, रमा, मति, नदी, धेनु, मातृ, ज्ञान, वारि, मधु। हलन्त - लिह्, विश्ववाह्, चतुर् (तीनों लिंगों में), इदम् (तीनों लिंगों में), किम् (तीनों लिंगों में), तत् (तीनों लिंगों में), राजन्, मघवन्, पथिन्, विद्वस्, अस्मद्, युष्मद्।
- समास - अव्ययीभाव, तत्पुरुष, बहुव्रीहि, द्वन्द, (लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार)
- तद्धित - अपत्यार्थक एवं मत्वर्थीय (सिद्धान्तकौमुदी के अनुसार)
- तिङन्त - भू, एध्, अद्, अस्, हु, दिव्, षुञ्, तुद्, तन्, कृ, रुध्, क्रीञ्, चुर् ।
- प्रत्ययान्त - णिजन्त; सन्नन्त; यङन्त; यङ्लुगन्त; नामधातु।
- कृदन्त - तव्य / तव्यत्; अनीयर्; यत्; ण्यत्; क्यप्; शतृ; शानच्; क्त्वा; क्त; क्तवतु; तुमुन्; ण्वुल।
- स्त्रीप्रत्यय - लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार
- कारक प्रकरण - सिद्धान्तकौमुदी के अनुसार
- महाभाष्य (पस्पशाह्निक)
  शब्दपरिभाषा, शब्द एवं अर्थ सम्बन्ध, व्याकरण अध्ययन के उद्देश्य, व्याकरण की परिभाषा, साधु शब्द के प्रयोग का परिणाम, व्याकरण पद्धति।
- वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्ड)
  स्फोट का स्वरूप, शब्द-ब्रह्म का स्वरूप, शब्द-ब्रह्म की शक्तियाँ, स्फोट एवं ध्वनि का सम्बन्ध, शब्दार्थ सम्बन्ध, ध्वनि के प्रकार, भाषा के स्तर।

## इकाई-VII

**संस्कृत-साहित्य, काव्यशास्त्र एवं छन्दपरिचय :**

**(क) निम्नलिखित का सामान्य परिचय :**

- भास, अश्वघोष, कालिदास, शूद्रक, विशाखदत्त, भारवि, माघ, हर्ष, बाणभट्ट, दण्डी, भवभूति, भट्टनारायण, बिल्हण, श्रीहर्ष, अम्बिकादत्तव्यास, पंडिता क्षमाराव, वी. राघवन्, श्रीधरभास्कर वर्णेकर।
- काव्यशास्त्र : रससम्प्रदाय, अलंकारसम्प्रदाय, रीतिसम्प्रदाय, ध्वनिसम्प्रदाय, व्रकोक्तिसम्प्रदाय, औचित्यसम्प्रदाय ।
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अरस्तू, लॉन्जाइनस, क्रोचे।

## इकाई-VIII

**(ख) निम्नलिखित का विशिष्ट अध्ययन :**

- पद्य : बुद्धचरितम् (प्रथम) रघुवंशम् (प्रथमसर्ग), किरातार्जुनीयम् (प्रथमसर्ग), शिशुपालवधम्, (प्रथमसर्ग), नैषधीयचरितम् (प्रथमसर्ग), मेघदूतम् (उत्तरमेघ)
- नाट्य : स्वप्नवासवदत्तम्, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, वेणीसंहारम्, मुद्राराक्षसम्, उत्तररामचरितम्, रत्नावली, मृच्छकटिकम्।
- गद्य : दशकुमारचरितम् (अष्टम-उच्छ्वास), हर्षचरितम् (पञ्चम-उच्छ्वास), कादम्बरी (शुकनासोपदेश)
- चम्पूकाव्य : नलचम्पू: (प्रथम-उच्छ्वास)
- साहित्यदर्पण : काव्य लक्षण, अन्य काव्यशास्त्रियों के काव्यलक्षणों का खण्डन,
  काव्य की अन्य परिभाषाओं का खण्डन, शब्दशक्तियाँ- (संकेतग्रह, अभिधा, लक्षणा, व्यंजना), काव्यभेद (चतुर्थ परिच्छेद) श्रव्यकाव्य (गद्य, पद्य, मिश्र काव्य-लक्षण)
- काव्यप्रकाश :

काव्यलक्षण, काव्यप्रयोजन, काव्यहेतु, काव्यभेद, शब्दशक्तियाँ, अभिहितान्वयवाद, अन्विताभिधानवाद, रसस्वरूप एवं रससूत्र विमर्श, रसदोष, काव्यगुण, व्यंजनावृत्ति की स्थापना (पञ्चम उल्लास)

अंलकार :

वक्रोक्ति, अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, समासोक्ति, अपह्नुति, निदर्शना, अर्थान्तरन्यास, दृष्टान्त, विभावना, विशेषोक्ति, स्वभावोक्ति, विरोधाभास, सकंर, संसृष्टि ।

- ध्वन्यालोक: (प्रथम उद्योत)
- वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम उन्मेष)
- भरत-नाट्यशास्त्रम् (द्वितीय एवं षष्ठ अध्याय)
- दशरूपकम् (प्रथम तथा तृतीय प्रकाश)
- छन्द परिचय -

  आर्या, अनुष्टुप्, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, वसन्ततिलका, उपजाति, वंशस्थ, द्रुतविलम्बित, शालिनी, मालिनी, शिखरिणी, मन्दाक्रान्ता, हरिणी, शार्दूलविक्रीडित, स्रग्धरा ।

## इकाई-IX

**पुराणेतिहास, धर्मशास्त्र एवम् अभिलेखशास्त्र**

**(क) निम्नलिखित का सामान्य परिचयः**

- रामायण - विषयवस्तु, काल, रामायणकालीन समाज, परवर्ती ग्रन्थों के लिए प्रेरणास्रोत, साहित्यिक महत्त्व, रामायण में आख्यान ।
- महाभारत - विषयवस्तु, काल, महाभारतकालीन समाज, परवर्ती ग्रन्थों के लिए प्रेरणास्रोत, साहित्यिक महत्त्व, महाभारत में आख्यान।
- पुराण - पुराण की परिभाषा, महापुराण - उपपुराण, पौराणिक सृष्टि-विज्ञान, पौराणिक आख्यान।
- प्रमुख स्मृतियों का सामान्य परिचय।
- अर्थशास्त्र का सामान्य परिचय।
- लिपि : ब्राह्मी लिपि का इतिहास एवं उत्पति के सिद्धान्त।
- अभिलेख का सामान्य परिचय

## इकाई-X

**(ख) निम्नलिखित ग्रन्थों का विशिष्ट अध्ययन**

- कौटिलीय अर्थशास्त्रम् (प्रथम-विनयाधिकारिक)
- मनुस्मृति : (प्रथम, द्वितीय तथा सप्तम अध्याय)
- याज्ञवल्क्यस्मृति : ( व्यवहाराध्याय)
- लिपि तथा अभिलेख –
  - » गुप्तकालीन तथा अशोककालीन ब्राह्मी लिपि ।
  - » अशोक के अभिलेख - प्रमुख शिलालेख, प्रमुख स्तम्भलेख
  - » मौर्योत्तरकालीन अभिलेख – कनिष्क के शासन वर्ष 3 का सारनाथ बौद्ध प्रतिमा लेख, रुद्रदामन् का गिरनार शिलालेख, खारवेल का हाथीगुम्फा अभिलेख
  - » गुप्तकालीन एवं गुप्तोत्तरकालीन अभिलेख – समुद्रगुप्त का इलाहाबाद स्तम्भलेख, यशोधर्मन् का मन्दसौर शिलालेख, हर्ष का बांसखेड़ा ताम्रपट्ट अभिलेख, पुलकेशिन् द्वितीय का ऐहोल शिलालेख ।